मोहन राकेश (8 जनवरी, 1925 - 3 दिसम्बर, 1972)

हिंदी के बहुमुखी प्रतिभा सम्पन्न नाटयलेखक और उपन्यासकार मोहन राकेश का जन्म 8 जनवरी, 1925 को हुआ था । वे 'नई कहानी' आंदोलन के प्रमुख स्तंभ हैं । 'मलबे का मालिक' उनकी बहुचर्चित कहानी है । वे कथाकार के अतिरिक्त नाटककार के रूप में भी अत्याधिक प्रसिद्ध हैं । कुछ वर्षों तक उन्होंने हिंदी की पत्रिका 'सारिका' का भी संपादन किया । 'आषाढ़ का एक दिन' नाट्य रचना के लिए और 'आधे-अधूरे' के रचनाकार के नाते उन्हें संगीत नाटक अकादमी द्वारा पुरस्कार से सम्मानित किया गया था । 'अंधेरे बंद कमरे' उनका हिंदी का एक महत्वपूर्ण उपन्यास माना जाता है, जिसका अंग्रेजी और रूसी भाषा में भी अनुवाद हुआ । 3 दिसम्बर, 1972 को उन्होंने अंतिम सांस ली ।

उनकी प्रमुख रचनाएं हैं :- आषाढ़ का एक दिन, लहरों के राजहंस, आधे-अधूरे (नाटक), अंधेरे बंद कमरे, अंतराल, न आने वाला कल (उपन्यास), क्वार्टर तथा अन्य कहानियां आदि ।